215hi20

20

उद्यमिता

आप इस बात से परिचित हैं कि जीवित रहने के लिए पैसा कमाना आवश्यक होता है। आप के माता-पिता, भाई तथा अन्य सभी किसी न किसी कार्य में लगे हुए हैं, जिसके द्वारा अपने परिवार की जीविका चलाते हैं। आप अपना जीवन यापन किस प्रकार करना चाहते हैं? क्या आप किसी उपक्रम में कोई नौकरी करना चाहेंगे? अथवा अपना कोई व्यवसाय करना चाहेंगे? एक अध्यापक स्कूल में पढ़ाता है, एक श्रमिक कारखाने में काम करता है, एक डॉक्टर अस्पताल में प्रैक्टिस करता है, एक क्लर्क बैंक में नौकरी करता है, एक मैनेजर किसी व्यावसायिक उपक्रम में कार्य करता है, ये सभी जीविका कमाने के लिए कार्य करते हैं। ये उन लोगों के उदाहरण हैं, जो कर्मचारी हैं तथा वेतन अथवा मजदूरी से आय प्राप्त करते हैं। यह मजदूरी द्वारा रोजगार कहलता है। दूसरी ओर एक दुकानदार, एक कारखाने का मालिक, एक व्यापारी, एक डॉक्टर, जिसका अपना दवाखाना हो, इत्यादि अपने व्यवसाय से जीविका उपार्जित करते हैं। ये उदाहरण हैं स्वरोजगार करने वालों के। फिर भी, कुछ ऐसे भी स्वरोजगारी लोग हैं, जो न केवल अपने लिए कार्य का सृजन करते हैं बल्कि अन्य बहुत से व्यक्तियों के लिए कार्य की व्यवस्था करते हैं। ऐसे व्यक्तियों के उदाहरण हैं : टाटा, बिरला आदि जो प्रवर्तक तथा कार्य की व्यवस्था करने वाले तथा उत्पादक दोनों हैं। इन व्यक्तियों को उद्यमी कहा जा सकता है।

इस पाठ में आप उद्यमिता की अवधारणा, महत्व, कार्यों, के विषय में विस्तार से जानकारी प्राप्त करेंगे। आप उद्यमियों के गुणों तथा लघु उद्योग स्थापित करने की उनकी योग्यताओं के बारे में भी सीखेंगे। ये बाते आपके भावी जीवन के लिए उपयोगी होंगी।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप

- उद्यमशीलता की अवधारणा का वर्णन कर सकेंगे;
- एक उद्यमी बनने के महत्व को पहचान सकेंगे;
- एक सफल उद्यमी के विशिष्ट गुणों का वर्णन कर सकेंगे; और
- एक लघु उद्यम स्थापित करने के विभिन्न चरणों का वर्णन कर सकेंगे।

20.1 उद्यमिता का अर्थ

उद्यम करना एक उद्यमी का काम है जिसकी परिभाषा इस प्रकार है ''एक ऐसा व्यक्ति जो नवीन खोज करता है, बिक्री और व्यवसाय चतुरता के प्रयास से नवीन खोज को आर्थिक माल में बदलता है। जिसका परिणाम एक नया संगठन या एक परिपक्व संगठन का ज्ञात सुअवसर और अनुभव के आधार पर पुनः निर्माण करना है। उद्यम की सबसे अधिक स्पष्ट स्थिति एक नए व्यवसाय की शुरूआत करना है। सक्षमता, इच्छाशक्ति से कार्य करने का विचार संगठन प्रबंध की साहसिक उत्पादक कार्यों व सभी जोखिमों को उठाना तथा लाभ को प्रतिफल के रूप में प्राप्त करना है।''

एक उद्यमी मौलिक (सृजनात्मक) चिंतक होता है। वह एक नव प्रवर्तक है जो पूंजी लगाता है और जोखिम उठाने के लिए आगे आता है। इस प्रक्रिया में वह रोजगार का सृजन करता है। समस्याओं को सुलझाता है गुणवत्ता में वृद्धि करता है तथा श्रेष्ठता की ओर दृष्टि रखता है।

अपितु हम कह सकते हैं उद्यमी वह है जिसमें निरंतर विश्वास तथा श्रेष्ठता के विषय में सोचने की शक्ति एवं गुण होते हैं तथा वह उनको व्यवहार में लाता है। किसी विचार, उद्देश्य, उत्पाद अथवा सेवा का आविष्कार करने और उसे सामाजिक लाभ के लिए प्रयोग में लाने से ही यह होता है। एक उद्यमी बनने के लिए आपके पास कुछ गुण होने चाहिए। लेकिन, उद्यम शब्द का अर्थ कैरियर बनाने वाला उद्देश्य पूर्ण कार्य भी है, जिसको सीखा जा सकता है। उद्यमशीलता नये विचारों को पहचानने, विकसित करने एवं उन्हें वास्तविक स्वरूप प्रदान करने की क्रिया है। ध्यान रहे देश के आर्थिक विकास के अर्थ में उद्यमशीलता केवल बड़े व्यवसायों तक ही सीमित नहीं हैं। इसमें लघु उद्यमों को सम्मलित करना भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। वास्तव में बहुत से विकसित तथा विकासशील देशों का आर्थिक विकास तथा समृद्धि एवं सम्पन्नता लघु उद्यमों के आविर्भाव का परिणाम है।

20.2 उद्यमी होने का महत्व

उद्यमशीलता और उद्यम की भूमिका का आर्थिक व सामाजिक विकास में अक्सर गलत अनुमान लगाया जाता है। सालों से यह स्पष्ट हो चुका है कि उद्यमशीलता लगातार आर्थिक विकास में सहायता प्रदान करती है। एक सोच को आर्थिक रूप में बदलना उद्यमशीलता के अंतर्गत सबसे महत्वपूर्ण विचारशील बिन्दु हैं। इतिहास साक्षी है कि आर्थिक उन्नति उन लोगों के द्वारा सम्भव व विकसित हो पाई है जो उद्यमी हैं व नई पद्धति को अपनाने वाले हैं, जो सुअवसर का लाभ उठाने वाला तथा जोखिम उठाने के

लिए तैयार है। जो जोखिम उठाने वाले होते हैं तथा ऐसे सुअवसर का पीछा करते हैं जो कि दूसरों के द्वारा मुश्किल या भय के कारण न पहचाना गया हो। उद्यमशीलता की चाहे जो भी परिभाषा हो यह काफी हद तक बदलाव, सृजनात्मक, निपुणता, परिवर्तन और लोचशील तथ्यों से जुड़ी हैं जो कि संसार में बढ़ती हुई एक नई अर्थव्यवस्था के लिए प्रतियोगिता के मुख्य स्रोत हैं।

यद्यपि उद्यमशीलता का पूर्वानुमान लगाने का अर्थ है व्यवसाय की प्रतियोगिता को बढ़ावा देना। उद्यमशीलता का महत्व निम्न बिन्दुओं से समझा जा सकता है :

i) **लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना :** अक्सर लोगों का यह मत है कि जिन्हें कहीं रोजगार नहीं मिलता वे उद्यमशीलता की ओर जाते है, लेकिन सच्चाई यह है कि आजकल अधिकतर व्यवसाय उन्हीं के द्वारा स्थापित किए जाते हैं, जिनके पास दूसरे विकल्प भी उपलब्ध हैं।

ii) **अनुसंधान और विकास प्रणाली में योगदान :** लगभग दो तिहाई नवीन खोज उद्यमी के कारण होती है। अविष्कारों का तेजी से विकास न हुआ होता तो संसार रहने के लिए शुष्क स्थान के समान होता। अविष्कार बेहतर तकनीक के द्वारा कार्य करने का आसान तरीका प्रदान करते हैं।

iii) **राष्ट्र व व्यक्ति विशेष के लिए धन समस्या का निर्माण करना :** सभी व्यक्ति जो कि व्यवसाय के सुअवसर की तलाश में है, उद्यमशीलता में प्रवेश करके संपत्ति का निर्माण करते हैं। उनके द्वारा निर्मित संपत्ति राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका अदा करती है। एक उद्यमी वस्तुएं और सेवाएं प्रदान करके अर्थव्यवस्था में अपना योगदान देता है। उनके विचार, कल्पना और अविष्कार राष्ट्र के लिए एक बड़ी सहायता है।

पाठगत प्रश्न 20.1

निम्नलिखित कथनों में से कौन से सही तथा कौन से गलत हैं :

i. उद्यमी विचारों को कार्यरूप में बदलने का जोखिम उठाते हैं।
ii. उद्यमी जुआरी होते हैं।
iii. एक उद्यमी उत्कृष्टता के लिए सदैव प्रयत्नशील रहता है।
iv. उद्यमी जन्म-जात होते हैं, बनाए नहीं जाते।
v. एक उद्यमी और लोगों के लिए भी रोजगार उत्पन्न करता है।
vi. उद्यमी एक स्वतंत्र व्यक्ति होता है।

20.3 एक सफल उद्यमी के गुण

आइए, अब हम एक सफल उद्यमी के गुणों पर विचार करें। एक उद्यम को सफलतापूर्वक चलाने के लिए बहुत से गुणों की आवश्यकता पड़ सकती है। फिर भी निम्नलिखित गुण महत्वपूर्ण माने जाते हैं :

i) **पहल :** व्यवसाय की दुनिया में अवसर आते जाते रहते हैं। एक उद्यमी कार्य करने वाला व्यक्ति होना चाहिए। उसे आगे बढ़ाकर काम शुरू कर अवसर का लाभ उठाना चाहिए। एक बार अवसर खो देने पर दुबारा नहीं आता। अत: उद्यमी के लिए पहल करना आवश्यक है।

ii) **जोखिम उठाने की इच्छाशक्ति :** प्रत्येक व्यवसाय में जोखिम रहता है। इसका अर्थ यह है कि व्यवसायी सफल भी हो सकता है और असफल भी। दूसरे शब्दों में यह आवश्यक नहीं है कि प्रत्येक व्यवसाय में लाभ ही हो। यह तत्व व्यक्ति को व्यवसाय करने से रोकता है। तथापि, एक उद्यमी को सदैव जोखिम उठाने के लिए आगे बढ़ना चाहिए और व्यवसाय चलाकर उसमें सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

iii) **अनुभव से सीखने की योग्यता :** एक उद्यमी गलती कर सकता है, किन्तु एक बार गलती हो जाने पर फिर वह दोहराई न जाय। क्योंकि ऐसा होने पर भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। अत: अपनी गलतियों से सबक लेना चाहिए। एक उद्यमी में भी अनुभव से सीखने की योग्यता होनी चाहिए।

iv) **अभिप्रेरणा :** अभिप्रेरणा सफलता की कुंजी है। जीवन के हर कदम पर इसकी आवश्यकता पड़ती है। एक बार जब आप किसी कार्य को करने के लिए अभिप्रेरित हो जाते हैं तो उस कार्य को समाप्त करने के बाद ही दम लेते हैं। उदाहरण के लिए, कभी-कभी आप किसी कहानी अथवा उपन्यास को पढ़ने में इतने खो जाते हैं कि उसे खत्म करने से पहले सो नहीं पाते। इस प्रकार की रूचि अभिप्रेरणा से ही उत्पन्न होती है। एक सफल उद्यमी का यह एक आवश्यक गुण है।

v) **आत्मविश्वास :** जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अपने आप में आत्मविश्वास उत्पन्न करना चाहिए। एक व्यक्ति जिसमें आत्मविश्वास की कमी होती है वह न तो अपने आप कोई कार्य कर सकता है और न ही किसी अन्य को कार्य करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

vi) **निर्णय लेने की योग्यता :** व्यवसाय चलाने में उद्यमी को बहुत से निर्णय लेने पड़ते हैं। अत: उसमें समय रहते हुए उपयुक्त निर्णय लेने की योग्यता होनी चाहिए। दूसरे शब्दों में उचित समय पर उचित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। आज की दुनिया बहुत तेजी से आगे बढ़ रही हैं यदि एक उद्यमी में समयानुसार निर्णय लेने की योग्यता नहीं होती है, तो वह आये हुए अवसर को खो देगा और उसे हानि उठानी पड़ सकती है।

पाठगत प्रश्न 20.2

निम्नलिखित में से कौन से कथन सही है तथा कौन से गलत :

i. एक उद्यमी को अपनी गलतियों से बार–बार सीखना चहिए।

ii. एक व्यक्ति, जिसमें निर्णय लेने की शक्ति नहीं होती है, उद्यमी नहीं बन सकता।
iii. सभी उद्यमियों के लिए आत्मविश्वास की कमी सफलता की कुंजी है।
iv. एक उद्यमी में समय पर निर्णय लेने की योग्यता होनी चाहिए।

20.4 एक उद्यमी के कार्य

एक उद्यमी के कुछ प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं :

i) **उद्यम के अवसरों की पहचान :** विश्व में व्यवसाय करने के बहुत से अवसर हैं। इनका आधार मानव की आवश्यकताएं हैं, जैसे : खाना, फैशन, शिक्षा आदि, जिनमें निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं। आम आदमी को इन अवसरों की समझ नहीं होती, किन्तु एक उद्यमी इनको अन्य व्यक्तियों की तुलना में शीघ्रता से भांप लेता है। अतः एक उद्यमी को अपनी आंखें और कान खुले रखने चाहिए तथा विचार शक्ति, सृजनात्मक और नवीनता की ओर अग्रसर रहना चाहिए।

ii) **विचारों को कार्यान्वित करना :** एक उद्यमी में अपने विचारों को व्यवहार में लाने की योग्यता होनी चाहिए। वह उन विचारों, उत्पादों, व्यवहारों की सूचना एकत्रित करता है, जो बाजार की मांग को पूरा करने में सहायक होते हैं। इन एकत्रित सूचनाओं के आधार पर उसे लक्ष्य प्राप्ति के लिए कदम उठाने पड़ते हैं।

iii) **संभाव्यता अध्ययन :** उद्यमी अध्ययन कर अपने प्रस्तावित उत्पाद अथवा सेवा से बाजार की जांच करता है, वह आनेवाली समस्याओं पर विचार कर उत्पाद की संख्या, मात्रा तथा लागत के साथ-साथ उपक्रम को चलाने के लिये आवश्यकताओं की पूर्ति के ठिकानों का भी ज्ञान प्राप्त करता है। इन सभी क्रियाओं की बनायी गयी रूपरेखा, व्यवसाय की योजना अथवा एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट (कार्य प्रतिवेदन) कहलाती है।

iv) **संसाधानों को उपलब्ध कराना :** उद्यम को सफलता से चलाने के लिए उद्यमी को बहुत से साधनों की आवश्यकता पड़ती है। ये साधन हैं : द्रव्य, मशीन, कच्चा माल तथा मानव। इन सभी साधनों को उपलब्ध कराना उद्यमी का एक आवश्यक कार्य है।

v) **उद्यम की स्थापना :** एक उद्यम की स्थापना के लिए उद्यमी को कुछ वैधानिक कार्यवाहियां पूरी करनी होती हैं। उसे एक उपयुक्त स्थान का चुनाव करना होता है। भवन को डिजाइन करना, मशीन को लगाना तथा अन्य बहुत से कार्य करने होते हैं।

vi) **उद्यम का प्रबंधन :** उद्यम का प्रबंधन करना भी उद्यमी का एक महत्वपूर्ण कार्य होता है। उसे मानव, माल, वित्त, माल का उत्पादन तथा सेवाएं सभी का प्रबंधन करना है। उसे प्रत्येक माल एवं सेवा का विपणन भी करना है, जिससे कि विनियोग किए धन से उचित लाभ प्राप्त हो। केवल उचित प्रबंध के द्वारा ही इच्छित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

vii) **वृद्धि एवं विकास :** एक बार इच्छित परिणाम प्राप्त करने के उपरांत, उद्यमी को उद्यम की वृद्धि एवं विकास के लिए अगला ऊंचा लक्ष्य खोजना होता है। उद्यमी एक निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के पश्चात् संतुष्ट नहीं होता, अपितु उत्कृष्टता प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील बना रहता है।

पाठगत प्रश्न 20.3

निम्नलिखित में से प्रत्येक के विषय में अपने शब्दों में दो वाक्य लिखिए :

i. संभाव्यता अध्ययन

ii. साधनों को खोजना

20.5 एक लघु उद्यम की स्थापना

आपने उद्यमशीलता तथा एक सफल उद्यमी बनने के लिए आवश्यक गुणों की जानकारी प्राप्त कर ली है। आपने यह भी जान लिया है कि उद्यम की इकाई स्थापित करने के लिए एक उद्यमी क्या-क्या करता है। यदि आपके पास ये गुण हैं तथा इन सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार हैं तो आप भी अपना उद्योग स्थापित कर सकते हैं। परन्तु अपने उद्यम को स्थापित करने का विचार करने से पूर्व एक लघु व्यवसाय स्थापित करने के लिए आवश्यक विभिन्न कारकों की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए।

i) लघु व्यवसाय कौन स्थापित कर सकता है?

एक लघु व्यवसाय की इकाई कोई भी व्यक्ति स्थापित कर सकता है। वह पुराना उद्यमी हो सकता है अथवा नवीन, उसे व्यवसाय चलाने का अनुभव हो सकता है और नहीं भी, वह शिक्षित भी हो सकता है अथवा अशिक्षित भी, उसकी पृष्ठभूमि ग्रामीण हो सकती अथवा शहरी।

ii) वित्त का प्रबन्ध

उद्यमी को विश्लेषण कर यह ज्ञात करना होगा कि व्यवसाय में कितने पैसे की आवश्यकता होगी और कितने समय के लिए होगी। मशीन, भवन, कच्चा माल आदि खरीदने तथा श्रमिकों

की मजदूरी आदि चुकाने के लिए उसे धन की आवश्यकता पड़ती है। मशीनरी, भवन, उपकरण आदि क्रय करने के लिए खर्च किया धन स्थायी पूंजी कहलाती है। दूसरी ओर, कच्चा माल क्रय करने तथा मजदूरी तथा वेतन, किराया, टेलीफोन और बिजली के बिल का भुगतान करने के लिए खर्च किया धन, कार्यशील पूँजी कहलाती है। एक उद्यमी को दोनों ही प्रकार की पूंजी जुटानी होती है। यह धन अपने घर से पूरा किया जा सकता है अथवा बैंक तथा अन्य वित्तीय संस्थाओं से ऋण लेकर। मित्रों तथा संबंधियों से भी धन उधार लिया जा सकता है।

iii) व्यवसाय का चुनाव

व्यवसाय करने की प्रक्रिया तब से प्रारम्भ हो जाती है जब उद्यमी सोचना शुरू कर देता है कि वह किस चीज का व्यवसाय करें। वह बाजार की मांग को देखते हुए व्यावसायिक अवसरों पर सोच सकता है। वह विद्यमान वस्तु अथवा उत्पाद के लिए निर्णय ले सकता है अथवा किसी नये उत्पाद पर विचार कर सकता है। किन्तु कोई भी कदम उठाने से पहले उसे व्यवसाय का लाभ, शक्ति अथवा लाभप्रदता और पूंजी निवेश पर गंभीरता से विचार करना होगा। लाभप्रदता तथा जोखिम की स्थिति पर विचार कर लेने के पश्चात ही व्यवसाय की कौन सी दिशा ठीक रहेगी इसके बारे में उद्यमी को निर्णय लेना चाहिए।

iv) संगठन के स्वरूप का चयन

संगठन के विभिन्न स्वरूपों के विषय में आप जानकारी प्राप्त कर चुके हैं। अब आपको अपनी आवश्यकता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ रूप से चयन करना होगा। सामान्यत: एक लघु उद्यम को चुनना ठीक होगा, जो एकल व्यवसायी अथवा साझेदारी का रूप ले सकती है।

v) स्थिति

व्यवसाय कहां शुरू किया जाए, इस स्थान के चुनाव में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। एक उद्यमी अपने स्थान पर अथवा किराये के स्थान पर व्यवसाय शुरू कर सकता है। वह स्थान किसी बाजार अथवा व्यापारिक कॉमप्लेक्स अथवा किसी औद्योगिक भूमि (ऐस्टेट) में हो सकता है। स्थान-विषयक निर्णय लेते समय उद्यमी को बहुत से कारकों जैसे : बाजार की निकटता, श्रम की उपलब्धता, यातायात की सुविधा, बैंकिंग तथा संवहन की सुविधाएं आदि पर विचार कर लेना चाहिए। एक कारखाने की स्थापना अधिमानत: ऐसे स्थान पर करनी चाहिए, जहां कच्चे माल की प्राप्ति का स्रोत हो और वह स्थान रेल सड़क यातायात की सुविधाा से भी जुड़ा हुआ हो। एक फुटकर व्यवसाय एक मोहल्ले अथवा बाजार में शुरू किया जाना चाहिए।

vi) श्रम की उपलब्धि

एक उद्यमी अकेला ही व्यवसाय को नहीं चला सकता। उसे अपनी सहायता के लिए कुछ व्यक्तियों को नौकरी पर रखना होगा। विशेष रूप से विनिर्माण कार्य के लिए उसे प्रशिक्षित तथा अर्ध-प्रशिक्षित कारीगरों को रखना होगा। कार्य शुरू करने से पूर्व उद्यमी को यह निश्चित कर लेना चाहिए कि क्या उसे किये जाने वाले कार्यों के लिए उचित प्रकार के कर्मचारी मिल पायेंगे?

पाठगत प्रश्न 20.4

I. निम्नलिखित कथनों में कौन से सही तथा कौन से गलत हैं :

i. केवल अमीर व्यक्ति ही व्यवसाय शुरू कर सकता है।

ii. एक लघु उद्योग एक उद्यमी द्वारा अपने भवन पर अथवा किराये के भवन पर शुरू किया जा सकता है।

iii. एक उद्यमी को उपभोक्ता के सही उत्पाद से कहीं हटकर व्यवसाय शुरू करना चाहिए।

iv. लघु व्यवसाय के लिए कार्यशील पूंजी की अधिक मात्रा में आवश्यकता नहीं होती है।

v. उत्पाद का विपणन करने के लिए बिक्री संवर्धन तकनीक का प्रयोग करना चाहिए।

II. बहुविकल्पीय प्रश्न

i. निम्न में से कौन सा एक उद्यमी का महत्व नहीं दर्शाता :

क) लोगों को रोजगार उपलब्ध करना
ख) शोध एवं विकास में योगदान देना
ग) राष्ट्र के लिए संपत्ति का निर्माण करना
घ) आत्म निर्भरता प्रदान करना

ii. एक उद्यमी का गुण बताइए।

क) पहल ख) अनुभव की कमी
ग) आत्मविश्वास की कमी घ) निर्णयन क्षमता की कमी

iii. निम्न में से कौन सा उद्यमी का कार्य नहीं है :

क) विचारों को कार्यान्वित करना ख) संभाव्यता अध्ययन
ग) संसाधनों को उपलब्ध कराना घ) चालू व्यवसाय को समाप्त करना

iv. व्यवसाय कौन शुरू कर सकता है ?

क) केवल उच्च शिक्षित व्यक्ति ख) केवल अशिक्षित व्यक्ति
ग) केवल अमीर व्यक्ति घ) उपरोक्त सभी

v. एक व्यवसाय का चयन करने से पहले एक उद्यमी को निम्न बातें ध्यान में रखनी चाहिए :

क) लाभ क्षमता ख) जोखिम ग) लाभ घ) उपरोक्त सभी

आपने क्या सीखा

- व्यवसाय के अवसरों की पहचान करने के लिए उद्यमी एक सृजनात्मक तथा प्रवर्तन करनेवाला व्यक्ति है, उसमें जोखिम उठाने की योग्यता तथा व्यवसाय चलाने की आवश्यक रूचि होती है। इस प्रक्रिया में न केवल वह स्वयं ही लगा रहता है बल्कि

अन्य व्यक्तियों के लिए भी रोजगार का सृजन करता है।

- उद्यमशीलता नये विचारों को पहचानने, विकसित करने एवं उन्हें वास्तविक स्वरूप प्रदान करने की क्रिया है।
- उद्यम की स्थापना करने के लिए दृढ़ निश्चय, व्यवसाय को शुरू करने एवं उसको चलाने के लिए आवश्यक गुणों का होना, कठिन परिश्रम करने तथा जोखिम उठाने की क्षमता, एक सफल उद्यमी के लिए आवश्यक गुण हैं।
- इस प्रकार, उद्यम व्यक्तियों द्वारा, प्रयोग किए जाने वाले विभिन्न गुणों तथा चातुर्य का सम्मिश्रण है, जो नए परिवर्तन, नई ऊर्जा तथा जोखिम उठाने के लिए तैयार होकर व्यवसाय की वृद्धि एवं उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं।
- प्रत्येक राष्ट्र को उद्यमियों की जरूरत है, क्योंकि वे उसकी वृद्धि तथा आर्थिक विकास में बहुत अधिक योगदान करते हैं।
- एक उद्यमी व्यवसाय के विभिन्न अवसरों की पहचान करते हैं, अपने विचारों को कार्यान्वित करते हैं, अपनी परियोजनाओं की संभाव्यता का अध्ययन करते हैं, साधन जुटाते हैं, उद्यम की स्थापना करते हैं तथा वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं।
- कोई भी व्यक्ति चाहे शिक्षित हो अथवा अशिक्षित, व्यावसायिक परिवार का हो अथवा गैर-व्यावसायिक परिवार का, ग्रामीण हो अथवा शहरी, एक लघु उद्योग शुरू कर सकता है। आवश्यकता है इच्छा शक्ति तथा आत्मविश्वास की।
- लघु उद्यम को शुरू करने के लिए आवश्यक धन अपने साधानों से अथवा ऋण लेकर अथवा दोनों साधनों से जुटाया जा सकता है। बैंकों तथा अन्य वित्तीय संथाओं से भी ऋण लिया जा सकता है।
- एक लघु उद्योग चालाने में सफलता प्राप्त करने के लिए आप एक उत्पाद अथवा बहुत से उत्पादों का मिश्रण कर चुनाव कर सकते हैं बशर्ते बाजार में उनकी मांग हो।

पाठांत प्रश्न

1. 'उद्यमशीलता' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
2. उद्यमी के कोई तीन गुण बताइए।
3. एक उद्यमी बनने के महत्व को समझाइए।
4. एक सफल उद्यमी की किन्हीं तीन विशेषताओं को बताइए।
5. अभिप्रेरणा किस प्रकार सफलता की कुंजी है। वर्णन कीजिए।
6. एक उद्यमी के विभिन्न कार्यों का वर्णन कीजिए।
7. एक बॉल पेन बनाने के लिए लघु उद्योग की स्थापना करते समय आप किन-किन कारकों को ध्यान में रखेंगे। विस्तार से लिखिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

20.1 (i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) गलत (v) सही (vi) सही

20.2 (i) गलत (ii) सही (iii) गलत (iv) सही

20.3 स्वयं उत्तर

20.4 **I.** (i) गलत (ii) सही (iii) गलत (iv) गलत (v) सही

II. (i) घ (ii) क (iii) घ (iv) घ (v) घ

आपके लिए क्रियाकलाप

- एक समीपस्थ लघु उद्योग में जाओ तथा इसके कार्य करने के ढंग को देखो।
- अपने आसपास के किसी उद्यमी से मिलो और उसकी सफलता के रहस्य के विषय में उनसे बातचीत करो।